भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1627
03/08/2023 को उत्तर दिए जाने के लिए

रूस के साथ सहकार्यता

1627 श्री ए. डी. सिंह :

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार अधिक न्यायसंगत और समावेशी तंत्र की तलाश करने के लिए आर्कटिक परिषद में एशियाई पर्यवेक्षकों के साथ एक समन्वित दृष्टिकोण अपनाने पर विचार कर रही है ;

(ख) क्या सरकार आर्कटिक क्षेत्र में रूस के साथ सहकार्यता बढ़ाने पर विचार कर रही है ; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
पृथ्वी विज्ञान मंत्री
(श्री किरेन रिजिजू)

(क) से (ग) रूस-यूक्रेन टकराव के कारण उत्पन्न होने वाले भूराजनैतिक तनावों के कारण हाल में आर्कटिक परिषद की बैठकें नियमित रूप से नहीं हो सकी हैं। इसके बावजूद भी भारत आर्कटिक परिषद के सभी सदस्य देशों समेत रूस, तथा समान विचारधारा वाले एशियाई प्रेक्षक देशों के साथ नियमित रूप से संवाद कर रहा है ताकि आर्कटिक से संबंधित मामलों में सहयोग को बेहतर बनाया जा सके। विभिन्न स्तरों पर संवाद एवं विचारों का आदान-प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त भारत एशियन फोरम फॉर पोलर साइंसेज (AFoPS) का एक सदस्य है, जिसमें एशियाई देश ध्रुवीय अध्ययनों से संबंधित सभी मामलों पर चर्चा करते हैं।

*****